NNS
बदलते भारत की सच्ची तस्वीर
मेरी दिल्ली
नई दिल्ली, 18 जुलाई, 2022

चेतक ग्रुप के चेयरमैन स्व. जयकरन शर्मा की स्मृति में डाक टिकट जारी

इंडिया हैबिटेट सेंटर। देश की जानी-मानी लॉजिस्टिक कंपनी चेतक ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन स्व. जयकरन शर्मा की असाधारण उपलब्धियों के लिए इंडिया हैबिटेट सेंटर में डाक टिकट का अनावरण किया गया। द लॉजिस्टिक मैन ऑफ इंडिया के नाम से पोस्टल विभाग ने यह डाक टिकट जारी किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी. कृष्ण रेड्डी (संस्कृति, टूरिज्म एंड डेवलपमेंट) तथा अशोक कुमार (पोस्ट मास्टर जनरल, डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट) उपस्थित हुए। जिन्होंने चेतक ग्रुप के डायरेक्टर व स्व. जयकरन शर्मा के सुपुत्रों मुकेश हरितस, राजेश हरितस, सचिन हरितस के साथ डाक टिकट का अनावरण किया। इस अवसर पर परिवार के अन्य सदस्य श्रीमती कृष्णा शर्मा (धर्मपत्नी), श्रीमती भावना (बेटी), एडवोकेट एम.पी. शर्मा (संबंधी एवं एमडी अनिल कार्गो प्रा.लिमिटेड) सहित कंपनी के सीनियर पदाधिकारी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री जी. कृष्ण रेड्डी ने कहा कि जयकरन शर्मा जी असाधारण प्रतिभा के धनी थे जो कि किसान परिवार में पैदा हुए थे व बाद में अपने लगन, मेहनत से तरक्की करते हुए सफलता के शिखर पर पहुंचे थे। उन्होंने हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया व अनेक समाजसेवा के कार्य किए। वहीं इस अवसर पर कंपनी के डायरेक्टर मुकेश हरितस ने कहा कि वे हमारे लिए तो प्रेरणा के स्रोत थे ही साथ में अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा के स्रोत थे। उन्होंने व्यवसाय में तो सफलता हासिल की थी साथ में जरूरतमंद लोगों की सेवा में भी अपना जीवन यापन किया। उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। आज चेतक ग्रुप की देश-विदेश में ब्रांच है।

उल्लेखनीय है कि स्व. जयकरन शर्मा का जन्म हरियाणा में हुआ था। उन्होंने गांव में धर्मशाला के निर्माण, गरीब कन्याओं की शादी, आंखों के कैंप इत्यादि अनेक सामाजिक कार्य किए। वहीं उनके संबंधी एडवोकेट एम.पी. शर्मा जी अपने व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आपकी अनिल कार्गो प्रा. लिमिटेड के नाम से जानी-मानी ट्रांसपोर्ट कंपनी है। एम.पी. शर्मा जी अपने व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक कार्यों जैसे गरीब कन्याओं की शादी, स्कूलों में स्वेटर का वितरण, वाटर कूलर की स्थापना, गायों के लिए गौशाला का निर्माण जैसे तमाम कार्यों में स्वयं बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।